भारत की राष्ट्रपति
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
का
दसवें स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में सम्बोधन

नई दिल्ली : 11.11.2026

आज इस समारोह में आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। स्वच्छ भारत मशन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी पुरस्कार वजेताओं को मैं बहुत-बहुत बधाई देती हूं।

यह आयोजन स्वच्छता के क्षेत्र में पछले एक दशक में शहरों और राज्यों की सामूहिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने का अवसर है। मुझे यह जानकर व्यक्त की गयी है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है क्योंक कसी एक संस्था के अकेले के प्रयासों से स्वच्छता के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कया जा सकता है। आवश्यक है।

स्वच्छता केवल सार्वजनिक स्थानों की सुंदर स्थिति का प्रश्न नहीं है। यह हमारे परिचायक है। हमारी घरेलू आदतों से भी इसका संबंध है। प्लास्टिक के कचरे के निस्तारण में घरों के स्तर पर भी अतिरिक्त सजगता की आवश्यकता है। हमारी असावधानी से प्लास्टिक गायों और अन्य पशुओं के पेट में जाकर उनकी असमय मृत्यु का कारण बन सकती है।

मुझे यह जानकर संतोष हुआ है क स्कूलों के पाठ्यक्रम और गतिवधयों में स्वच्छता से जुड़े अनेक आयामों को सम्मिलत करके बच्चों और कशोरों को जागरूक कया जा रहा है। मुझे बताया गया है क लगभग 3 करोड़ नागरिक पूरे साल अपने शहरों की स्वच्छता के बारे में अपने अनुभव और राय साझा वेलफेयर एसोसएशनों और सामुदायिक संगठनों को इस प्रक्रया से जुड़ना चाहिए। उनको अपने अनुभवों के साथ ही उन कमयों को भी रिपोर्ट करना चाहिए जिनके समाधान हमारे शहरों को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके माध्यम से नगर प्रशासन और नागरिकों के बीच ऐसा हो सके।

देवयो और सज्जनो,

मेरी जनसेवा की यात्रा का आरंभ स्वच्छता के कार्यों से ही हुआ था। मेरा अनुभव रहा है क इस दिशा में स्थायी परिवर्तन लाने के लए प्रशासन को नागरिकों के साथ मलकर कार्य करने की आवश्यकता होती है। साथ ही, सफाई-कर्मयों के जमीनी अनुभवों तथा सुझावों को महत्त्व देना लाभदायक होता है।

अपने आस-पास के इलाकों की स्वच्छता को परखने के लए नागरिक ही सबसे बेहतर निर्णायक होते हैं। इसलए नागरिकों के फीडबैक का उपयोग केवल कसी सर्वेक्षण या रैंकंग तक सीमत नहीं रहना चाहिए। यह फीडबैक नगरपालका सेवाओं को बेहतर बनाने और स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने के लए एक महत्वपूर्ण साधन होना चाहिए।

देवयो और सज्जनो,

भारतीय जीवन दर्शन ने सदैव प्रेरणा दी है क कसी एक व्यक्ति या संस्था जोड़ा है। स्वच्छता में अग्रणी शहर यदि अन्य शहरों को अपने स्तर तक पहुँचने में सहायता करेंगे तो उपलब्धियाँ सार्थक हो सकेंगी।

मुझे ज्ञात हुआ है क इस अभयान के साथ ही स्वच्छता के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और युवा उद्यमता को भी समुचत प्रोत्साहन मल रहा प्रौद्योगकी परीक्षण एवं नवाचार के लए
की स्थापना हुई है। यह महत्वपूर्ण संस्थागत पहल है।

मुझे यह भी बताया गया क शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रौद्योगकी संस्थानों के साथ मलकर के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन की व्यवस्थाएँ भी की हैं। स्वच्छता के क्षेत्र में के अनेक समूह प्रारंभ हो चुके हैं। इस प्रकार से वकसत उद्यमों से स्वच्छता से जुड़ी वास्तवक समस्याओं के समाधान में और रोजगार सृजन में उपयोगी योगदान की संभावनाएँ बढ़ती हैं। स्वच्छता के क्षेत्र में हमें ऐसी तकनीकें वकसत करनी हैं जो प्रभावी, सस्ती और सुरक्षत हों। ऐसी तकनीकें जो छोटे शहरों की आवश्यकताओं के भी अनुकूल हों। मुझे बताया गया क इस दिशा में वभन्न सहित और भी अनेक वैज्ञानिक शोध संस्थान सक्रय हैं।

देवयो और सज्जनो,

मुझे ज्ञात हुआ है क इसी सतंबर माह में -50 पहल भी प्रारंभ की गयी है। इसके अंतर्गत 50 शहरों को मॉडल शहरों के रूप में वकसत करने के लए चुना गया है। दसवें सर्वेक्षण समेत इस प्रकार की पहल के लए मैं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल जी और उनकी समस्त टीम को बधाई देती हूँ।

-2, और -3 शहरों की क्षमताएँ बढ़ाने पर वशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंक सबसे तेजी से बढ़ने वाले शहर ये ही हैं। इनकी आवश्यकताएँ और चुनौतियाँ अलग-अलग हैं। एक राष्ट्रीय फ्रेमवर्क के अंतर्गत इनका वकास इनकी वशष्ट समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लए होना चाहिए। Tे2 के नियोजकों को -1 शहरों की वर्तमान समस्याओं से सीखने की आवश्यकता है। इसके लए उन्हें Tे1 शहरों के नियोजकों के 20-25 वर्ष पहले के अनुभवों के बारे में जानना उपयोगी होगा।

देवयो और सज्जनो,

स्वच्छता अभयान के पहले दशक ने देश में जन-जागरूकता, जन-भागीदारी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सुढ़ नींव रखी है। मैं आशा करती हूँ क सब की सहभागता से स्वच्छ सर्वेक्षण के इस अगले दौर में पहले दशक की उपलब्धियों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणत परिणामों में बदला जा सकेगा। इस अभयान का लाभ छोटे-बड़े शहरों के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचेगा। स्वच्छता में अग्रणी शहर दूसरे शहरों की प्रगति में सार्थक सहयोग करेंगे और युवा प्रतिभाएँ शहरों की वास्तवक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करेंगी।

मुझे वश्वास है क नगर निकाय, नागरिक और वशेषज्ञ समुदाय, सब मलकर अपने नगरों को ऐसे वकसत करेंगे क वे स्वच्छ दिखेंगे और स्वस्थ बनेंगे। साथ ही, वे पर्यावरण संरक्षण और सुशासन के उत्कृष्ट उदाहरण बनेंगे।

आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!